भाजपा की हारी हुई 11 सीटों की समीक्षा रिपोर्ट अब दिल्ली भेजी जाएगी

भाजपा ने ओवर कॉन्फिडैंस को हार का मुख्य कारण माना, स्थानीय गुटबाजी, आरक्षण से छेड़छाड़ जैसे मुद्दे सहित अन्य कारण भी सामने आये

- **बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल, प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी, प्रदेश प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे, सह प्रभारी विजया राहटकर मौजूद रहीं।**
- **बैठक में पार्टी के उम्मीदवारों और नेताओं ने कहा कि, पार्टी कांग्रेस के अंडर करंट को भांप नहीं सकी। उसके अनुरूप रणनीति में बदलाव नहीं हुआ।**

जयपुर, 16 जून (का.सं.)। राजस्थान में भाजपा के शीर्ष नेताओं का प्रदेश में लोकसभा की 11 सीटों पर हार की समीक्षा बैठक दूसरे दिन रविवार को भी जारी रही। बैठक में शनिवार को सात सीटों पर हार का मंथन किया गया था। रविवार को चार सीटों बांसवाड़ा, करौली-धौलपुर, भरतपुर और श्रीगंगानगर सीट की हार की समीक्षा हुई। बैठक में ब्यावर दौरे से लौटकर सीएम भजनलाल शर्मा भी कुछ देर के लिए शामिल हुए। इससे पूर्व भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, चुनाव प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे, सहप्रभारी विजया राहटकर सहित अन्य बड़े नेता मौजूद थे।

सभी सीटों पर हार की समीक्षा में स्थानीय स्तर पर टिकट वितरण से पनपनी गुटबाजी, कांग्रेस के अंडर करंट और पार्टी का जीत को लेकर ओवर कांफिडेंस को हार का मुख्य कारण माना है। एक दिन पहले की बैठक में सीकर के नेताओं ने क्षेत्र में गुटबाजी के मामले उठाए। जिन नेताओं को पद दिए गए वह भी वोट डालने नहीं आए। जानकारी के अनुसार बैठक में पार्टी के उम्मीदवारों और नेताओं ने कहा कि, पार्टी कांग्रेस के अंडर करंट को भांप नहीं सकी। उसके अनुरूप रणनीति में बदलाव नहीं हुआ। कैंपेन भी उसके अनुरूप अग्रेसिव नहीं रहा। शनिवार को चूरू, नागौर, सीकर, झुंझुनूं, दौसा, टोंक-सवाई माधोपुर, बाड़मेर सीटों की हार की समीक्षा हुई थी। हार की समीक्षा रिपोर्ट पार्टी प्रदेश नेतृत्व तैयार कर अब दिल्ली भेजेगा। समीक्षा में हार और भी कई तर्क दिए गए। भाजपा जिन एससी-एसटी सीटों को हारी है, उन सीटों पर कांग्रेस ने एससी-एसटी आरक्षण को लेकर मुद्दा बनाया। अंदरखाने वर्ग में यह मैसेज देने में कांग्रेस कामयाब रही कि मोदी की सरकार प्रचंड बहुमत से आई तो उनका आरक्षण समाप्त कर दिया जाएगा। पहले फेज में यह नैरेटिव बनाने में कांग्रेस की इस रणनीति को भांप लिया गया, लेकिन दूसरे फेज के चुनावों से पूर्व वर्ग को पार्टी यह समझाने में असफल रही कि आरक्षण से छेड़छाड़ नहीं होगी। ऐसे में पहली फेज के बाद दूसरे फेज में भी भाजपा को नुकसान हुआ। भाजपा के नेताओं ने बैठक में यह भी कहा कि पार्टी को फिर से 25 की 25 सीटें जीतने का अति विश्वास था। इसके चलते स्थानीय कार्यकर्ता, नेता और उम्मीदवार भी जीत के प्रति अति आश्वस्त दिखे, वे कैंपेन को अग्रेसिव और जमीनी स्तर तक नहीं पहुंचा पाए। ऐसे में पार्टी चुनाव में मात खा गई। भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी मानी जाती है। 51 हजार से ज्यादा बूथों तक पार्टी की टीम थी। पन्ना प्रमुख, शक्ति केन्द्र के जरिये पार्टी टीमें उस स्तर तक मतदाताओं तक नहीं पहुंचे, जिस स्तर तक पहुंचना चाहिए था। मतदाताओं को मतदान केन्द्र तक नहीं लाने के कारण मतदान प्रतिशत कम रहा। अधिकांश वह वोटर्स मतदान करने नहीं आया जो पार्टी का कोर वोटर था। बैठक में जाट बैल्ट की सीकर, झुंझुनूं, नागौर, बाडमेर और चूरू में हार को लेकर सामने आया कि यहां भाजपा विधानसभा चुनावों में पार्टी के पक्ष में जीती सीटें, जीत के कम अंतर पर भी ताकत नहीं झोंकने, हारी सीटों पर मेहनत नहीं होने और जाट वर्ग को संतुष्ट करने में असफल रही। इसके चलते बड़ा नुकसान हुआ। पार्टी ने जो सीटें भाजपा हारी है, उनमें से नौ सीटों पर नए चेहरे थे। चुनावी रणनीति और कैंपेन में उनका अनुभवहीन होना भी नेताओं ने हार का बड़ा कारण माना है। वे भाजपा कार्यकर्ताओं में जोशभर उन्हें चुनावी कैंपेन में झोंक नहीं सके।

अलगाववादी नेता को जमानत मिली

नई दिल्ली, 16 जून। दिल्ली की एक अदालत ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की फंडिंग से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह को जमानत दे दी है। अदालत ने कहा कि शाह इस मामले में छह साल और 10 महीने तक हिरासत में रह चुका है, और इसमें अधिकतम सजा ही सात साल की है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धीरज मोर ने सात जून को पारित आदेश में शाह को वैधानिक जमानत देते हुए कहा कि अन्य मामले जिनमें अलगाववादी नेता हिरासत में हैं, वे बहुत गंभीर प्रकृति के हैं। जज ने कहा, हालांकि, यह उसे वैधानिक जमानत देने से इनकार करने का पर्याप्त आधार नहीं हो सकता, क्योंकि उसे किसी भी अपराध में दोषी नहीं ठहराया गया है। यदि उसे इस मामले में जमानत मिल भी जाती है, तो भी अन्य अपराधों में उसे 24 जुलाई, 2024 से पहले जेल से रिहा किए जाने की संभावना नहीं है।

मुख्यमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परचेज एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किये गये।

3200 मेगावाट कोल आधारित परियोजना, 8000 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना की स्थापना टैरिफ आधारित निविदा प्रक्रिया माध्यम से करने हेतु प्रक्रिया प्रारंभ की गयी है। इन परियोजनाओं की स्थापना से लगभग 64 हजार करोड़ रूपये का निवेश हो सकेगा।

मुख्यमंत्री ने सम्राट पृथ्वीराज चौहान जन्मोत्सव समारोह में शिरकत की

सम्राट पृथ्वीराज चौहान जैसे शूरवीरों की वीरता से युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है : मुख्यमंत्री

- **मुख्यमंत्री ने जिला नवाचार निधि के माध्यम से महिलाओं के स्किल डवलपमैंट के लिए प्रशिक्षण केंद्र खोलने की घोषणा की।**

ब्यावर, 16 जून (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ब्यावर में सम्राट पृथ्वीराज चौहान के जन्मोत्सव के समापन समारोह एवं सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल हुये। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि, राजस्थान की धरती शौर्य और त्याग की भूमि है। यहां के वीरों ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया है। उन्होंने कहा कि, सम्राट पृथ्वीराज चौहान जैसे शूरवीरों की वीरता से युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है। पृथ्वीराज चौहान ने कम आयु में ही शासन संभाला और अपने कुशल नेतृत्व से अपने साम्राज्य का विस्तार किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, सामूहिक विवाह सम्मेलन एक अच्छी सामाजिक परंपरा है। इससे फिजूलखर्ची पर रोक लगने के साथ ही समाज में एकता, सद्‌भाव और समरसता की भावना जागृत होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि, राज्य सरकार ने अल्प समय में ही समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए उल्लेखनीय फैसले किए हैं। संकल्प पत्र में किए गए लगभग 45 फीसदी वादे पूरे किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि, हमारी सरकार ने गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी, सामाजिक सुरक्षा पेंशन में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी, महिलाओं को 450 रुपए में घरेलू रसोई गैस सिलेंडर जैसे जनकल्याणकारी निर्णय लिए हैं। साथ ही, तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं के लिए आरक्षण की सीमा 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करते हुए महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य वित्त आयोग के द्वारा क्षेत्रीय विकास योजना के अंतर्गत जिला नवाचार निधि के माध्यम से महिलाओं के स्किल डवलपमैंट के लिए प्रशिक्षण केंद्र खोलने की घोषणा की। इस प्रशिक्षण केन्द्र के माध्यम से यहां की महिलाओं का कौशल विकास का कार्य किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, वर्ष 2014 के बाद देश में आया परिवर्तन हम सब ने देखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गत 10 वर्षों में गरीब कल्याण, देश का विकास, सीमाओं की सुरक्षा और विश्व में भारत का गौरव बढ़ाने सहित सभी क्षेत्रों में देश का परचम लहराया है। उन्होंने कहा कि, प्रधानमंत्री का जीवन गरीबों, महिलाओं, किसानों एवं युवाओं के कल्याण के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने तीसरी बार प्रधानमंत्री बनते ही किसानों के लिए सम्मान निधि की 17वीं किस्त को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने आव्हान किया कि, हम सब अपने नागरिक होने का कर्तव्य निभाएं और हमारे आस-पास मौजूद जरुरतमंद और वंचित व्यक्ति को केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद करें। समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण से ही "आपणो अग्रणी राजस्थान" का संकल्प साकार होगा।

इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, सांसद महिमा कुमारी, विधायक शंकर सिंह रावत, हरिसिंह रावत, वीरेन्द्र सिंह कानावत, मेहंदी बालाजी धाम के महंत नरेशपुरी महाराज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निम्बाराम सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के ब्यावर पहुंचने पर हेलीपैड पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और उच्च अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री आशापुरा माता मंदिर पहुंचे और वहां पूजा-अर्चना कर प्रदेश में सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। साथ ही, मुख्यमंत्री ने आशापुरा मंदिर परिसर में स्थित सम्राट पृथ्वीराज चौहान की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनको भी नमन किया।

शर्मा ने इस अवसर पर सामूहिक विवाह सम्मेलन में नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद भी प्रदान किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के ब्यावर पहुंचने पर जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह, सांसद महिमा कुमारी, विधायक शंकर सिंह, हरिसिंह, रामस्वरूप लांबा, वीरेंद्र सिंह कानावत, जिला अध्यक्ष देवी शंकर भूतड़ा, ब्यावर नगर परिषद के सभापति नरेश कनोजिया, संभागीय आयुक्त महेशचंद्र शर्मा, पुलिस महानिदेशक लता मनोज कुमार, जिला कलेक्टर उत्सव कौशल तथा पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह सहित गणमान्य नागरिकों ने अगवानी की। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री अविनाश गहलोत का मुख्यमंत्री के साथ जयपुर से आना हुआ।

एन.सी.ई.आर.टी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अप्रासंगिक हो जाती है, तो उसे बदला ही जाता है। गुजरात दंगों से संबंधित संदर्भों को हटाए जाने पर एनसीईआरटी निदेशक ने कहा, "घृणा और हिंसा स्कूलों में पढ़ाने का विषय नहीं है, पाठ्‌यपुस्तकों में इन पर जोर नहीं दिया जाना चाहिए। विद्यालयों में इतिहास तथ्यों से अवगत कराने के लिए पढ़ाया जाता है, न कि इसे युद्ध का मैदान बनाने के लिए। इसके अलावा पाठ्‌यपुस्तकों में संशोधन विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है, मैं प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं करता।"

'ई.वी.एम. ऐसा ब्लैक बॉक्स है जिसकी जांच की इजाजत किसी को नहीं'

नयी दिल्ली, 16 जून (वार्ता) कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से छेड़खानी की बात हमारी चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़ा करती है और यह भारतीय लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता की बात है।

उन्होंने कहा कि ईवीएमएवं एक ऐसा ब्लैक बॉक्स बन गया है जिसकी जांच की इजाजत किसी को नहीं है और यही हमारी चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर बड़ा सवाल खड़ा करता है।

गांधी ने कहा, भारत में ईवीएम एक ब्लैक बॉक्स हैं और किसी को भी उनकी जांच करने की अनुमति नहीं है। हमारी चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंताएँ व्यक्त की जा रही हैं। जब संस्थानों में जवाबदेही की कमी हो जाती है तो लोकतंत्र एक दिखावा बन जाता है और धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है।

कांग्रेस पार्टी ने कहा,ईवीएम से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है। मुंबई में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार रवींद्र वायकर के रिश्तेदार का मोबाइल फोन ईवीएम से जुड़ा था। राजग के इस कैंडिडेट की जीत सिर्फ 48 वोट से हुई है।

'ई.वी.एम. को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुंबई की उत्तर-पश्चिम लोकसभा सीट से 48 वोट से जीत दर्ज करने वाले शिवसेना के उम्मीदवार के एक रिश्तेदार के पास एक ऐसा फोन है जिससे ईवीएम में छेड़छाड़ संभव थी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने 'एक्स' पर एलन मस्क की उस पोस्ट को भी साझा किया जिसमें मस्क ने ईवीएम को हटाने की बात कही थी। मस्क ने अपनी पोस्ट में कहा था, "हमें ईवीएम को खत्म कर देना चाहिए। मुनष्यों या कृत्रिम मेधा द्वारा हैक किए जाने का जोखिम, हालांकि छोटा है, फिर भी बहुत अधिक है।" विपक्षी दल पिछले कुछ समय से ईवीएम पर चिंता जताते रहे हैं और उसने शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर 'वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल' पर्चियों का शत प्रतिशत मिलान करने की अपील की की थी ।

आई.आई.टी. के ए.आई. टूल ने यू.पी.एस.सी. प्री एग्जाम का पेपर सात मिनट में हल किया

नयी दिल्ली 16 जून (वार्ता) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) छात्रों की ओर से विकसित पढाई ए.आई. टूल ने रविवार को यू.पी.एस.सी. 2024 के प्री एग्ज़ाम के 100 प्रश्नों के प्रश्न पत्र को महज सात मिनट के भीतर हल किया और 170 से अधिक अंक हासिल कर गूगल और ओपन ए.आई. को पीछे छोड़ दिया।

यूपीएससी 2024 के लिए आज प्रारंभिक परीक्षा आयोजित की गयी। परीक्षा के पहले सत्र के बाद पढाई एआई सिस्टम ने महज सात मिनट से कम समय में प्रश्न पत्र हल कर लिया। पढाई एआई ने 100 प्रश्नों को हल कर 200 में से 170 से अधिक अंक हासिल किए, जबकि आमतौर पर क्वालीफाइंग मार्क्स 100 से कम होते हैं।

यह कार्यक्रम राजधानी के द ललित में आज शिक्षा, यूपीएससी कोचिंग समुदाय और मीडिया कर्मियों के विशिष्ट अतिथियों की उपस्थति में आयोजित किया गया।

इसका उद्देश्य पढाई एआई की विशेषताओं को शक्ति देने वाला एआई न केवल एक मददगार शिक्षक है, बल्कि यह 24 घंटे सातों दिन या फिर कहिये 365 दिन उपलब्ध है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908